भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या : 2069

दिनांक 22 सितम्बर , 2020 / 31 भाद्रपद, 1942 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

यात्रियों के लिए एयरबस का परिचालन

2069. श्री गोपाल शेट्टी:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने यात्रियों की सुविधा और समय बचाने के लिए एयरबस का परिचालन करने का निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने विभिन्न स्थानों से प्रति घंटा तय की जाने वाली दूरी के आधार पर एयरबस का परिचालन करने का निर्णय लिया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और चयनित स्थानों में बिहार के स्थानों की संख्या कितनी है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) से (घ): मार्च, 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरसन के साथ, भारतीय अंतर्देशीय विमानन क्षेत्र विनियमित हो गया था। एयरलाइनें अब अपनी सेवाएँ प्रदान करने और प्रचालन हेतु किसी भी बाज़ार और नेटवर्क का चयन कर सकती हैं। इस संबंध में, सरकार ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर हवाई संपर्कता प्राप्त करने के उद्देश्य से मार्ग संवितरण दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। तथापि, यह एयरलाइनों पर निर्भर करता है कि वे सरकार द्वारा जारी मार्ग संवितरण दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए मांग और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर प्रचालन हेतु मार्गों का चयन करे। नागर विमानन मंत्रालय ने क्षेत्रीय हवाई संपर्कता को प्रोत्साहित करने और जनसाधारण के लिए हवाई यात्रा को किफ़ायती बनाने के उद्देश्य से 21.10.2016 को क्षेत्रीय संपर्कता योजना (आरसीएस) – उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) आरंभ की है। आरसीएस-उड़ान एक बाज़ार आधारित योजना है। इच्छुक एयरलाइनें विशिष्ट मार्गों पर मांग के अपने आकलन के आधार पर समय-समय पर आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत बोली के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत बोली के दूसरे चरण में, कार्यान्वयन एजेंसी, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) ने दरभंगा, बिहार से हवाई सेवाएँ आरंभ करने के लिए चयनित एयरलाइन प्रचालक (एसएओ) को निम्नलिखित मार्ग अवार्ड किए हैं:

1. मुंबई-दरभंगा-मुंबई
2. दिल्ली-दरभंगा-दिल्ली
3. बेंगलुरु-दरभंगा-बेंगलुरु
4. अमृतसर-पटना-अमृतसर
5. वाराणसी-पटना

*****